चंद्रशेखराष्टक स्तोत्रम्

चंद्रशेखर चंद्रशेखर चंद्रशेखर पाहि माम् ।
चंद्रशेखर चंद्रशेखर चंद्रशेखर रक्ष माम् ॥

रत्नसानु-शरासनं रजताद्रि-शृंगनिकेतनं, सिञ्जिनी कृत-पन्नगेश्वरमच्युतानन-सायकम् । न्याजा
क्षिप्रदग्धपुर त्रयं त्रिदिवालयैरभिवंदितं, चंद्रशेखर माश्रये मम किं करिष्यति वै यमः ॥

पंचपादप-पुष्पगंध-पदाम्बुज-शोभितं भाललोचन-जातपावक-दग्धमन्थन-विग्रहम् ।
भस्मदिग्ध-कलेवरं भव-नाशनं भवमव्यय चंद्रशेखर चंद्रशेखर चंद्रशेखर रक्ष माम् ॥

मत्तवारण-मुख्यचर्म कृतोत्तरीय-मनोहरं, पङ्कजासन-पद्मलोचन-पूजिताङ्घ्रि-सरोरुहम् ।
देवसिन्धु तरङ्गिसीकर-सिक्त-शुभ्र जटाधरं चंद्रशेखर चंद्रशेखर चंद्रशेखर रक्ष माम् ॥

यक्ष-राजसखं भगाक्षहरं भुजङ्ग-विभूषणं शैल-राजसुता-परिष्कृत-चारुवाम-कलेवरम् ।
क्ष्वेडनीलगलं परश्वध धारिणं मृगधारिणं चंद्रशेखर चंद्रशेखर चंद्रशेखर रक्ष माम् ॥

कुण्डलीकृत-कुण्डलेश्वर-कुण्डलं वृष वाहनं नारदादि-मुनीश्वर-स्तुत-वैभवं भुवनेश्वरम् ।
अंधकान्धक-माश्रिता अमरपादप शमनांतकं चंद्रशेखर चंद्रशेखर चंद्रशेखर रक्ष माम् ॥

भेषजं भवरोगिणामखिलापदामपहारिणं दक्ष यज्ञविनाशनं त्रिगुणात्मकं त्रिविलोचनं ।
भुक्ति-मुक्ति-फलप्रदं सकलाघसंघनिबर्हणं चंद्रशेखर चंद्रशेखर चंद्रशेखर रक्ष माम् ॥

भक्तवत्सलमर्चितं निधिमक्षयं हरिदम्बरं सर्वभूतपतिं परात्परमप्रमेय मनुत्तमम् ।
सोमवारिद-भूहुताशन-सोमपा-निलखाकृतिं चंद्रशेखर चंद्रशेखर चंद्रशेखर रक्ष माम् ॥

विश्वसृष्टि-विधायिनं पुनरेव पालनतत्परं संहरंतमपि प्रपंचमशेष लोक-निवासिनम् ।
क्रीडयंतमहर्निशं गणनाथयूथ-समन्वितं चंद्रशेखर चंद्रशेखर चंद्रशेखर रक्ष माम् ॥

मृत्युभीत-मृकण्डसूनुकृतस्तवं शिवसन्निधौ यत्र कुत्र च यः पठेन्न हि तस्य मृत्यु भयं भवेत् ।
पूर्णमायुररोगितामखिलार्थ सम्पदमादरं चंद्रशेखर एव तस्य ददाति मुक्तिमयत्नतः ॥

****